

سُورَةُ الْأَعْلَى

Surah 87 — Al-A'laa (The Most High) · Meccan · 19 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ سَبِّحْ أَسْمَ رَبِّكَ الْأَعْلَى

ऐ रसूल अपने आलीशान परवरदिगार के नाम की तस्बीह करो

2

الَّذِي خَلَقَ فَسَوَّى

जिसने (हर चीज़ को) पैदा किया

3

وَالَّذِي قَدَّرَ فَهَدَىٰ

और दुरुस्त किया और जिसने (उसका) अन्दाज़ा मुकर्रर किया फिर राह बतायी

4

وَالَّذِي أَخْرَجَ الْمَرْعَىٰ

और जिसने (हैवानात के लिए) चारा उगाया

5

فَجَعَلَهُ ۚ غُثَاءً أَحْوَىٰ

फिर खुश्क उसे सियाह रंग का कूड़ा कर दिया

6

سَنُقْرُبُكَ فَلَا تَنْسَىٰ

हम तुम्हें (ऐसा) पढ़ा देंगे कि कभी भूलो ही नहीं

7

إِلَّا مَا شَاءَ اللَّهُ ۚ إِنَّهُ ۚ يَعْلَمُ الْجَهْرَ وَمَا يَخْفَىٰ

मगर जो खुदा चाहे (मन्सूख कर दे) बेशक वह खुली बात को भी जानता है और छुपे हुए को भी

8

وَنُيَسِّرُكَ لِلْيُسْرَىٰ

और हम तुमको आसान तरीके की तौफ़ीक़ देंगे

9

فَذَكِّرْ إِن نَّفَعَتِ الذِّكْرَىٰ

तो जहाँ तक समझाना मुफ़ीद हो समझते रहो

10

سَيَذَكِّرُ مَنْ يَخْشَىٰ

जो खौफ़ रखता हो वह तो फौरी समझ जाएगा

11

وَيَتَجَنَّبُهَا الْأَشْقَىٰ

और बदबख्त उससे पहलू तही करेगा

12

الَّذِي يَصِلَى النَّارَ الْكُبْرَىٰ

जो (क़यामत में) बड़ी (तेज़) आग में दाखिल होगा

13

ثُمَّ لَا يَمُوتُ فِيهَا وَلَا يَحْيَىٰ

फिर न वहाँ मरेगा ही न जीयेगा

14

قَدْ أَفْلَحَ مَنْ تَزَكَّىٰ

वह यक़ीनन मुराद दिली को पहुँचा जो (शिकं से) पाक हो

15

وَذَكَرَ اسْمَ رَبِّهِ ۚ فَصَلَّىٰ

और अपने परवरदिगार का ज़िक्र करता और नमाज़ पढ़ता रहा

16

بَلْ تُؤْثِرُونَ الْحَيَاةَ الدُّنْيَا

मगर तुम लोग दुनियावी ज़िन्दगी को तरजीह देते हो

17

وَأَلْآخِرَةَ خَيْرٌ ۚ وَأَبْقَىٰ

हालाँकि आख़ोरत कहीं बेहतर और देर पा है

18

إِنَّ هَذَا لَفِي الصُّحُفِ الْأُولَىٰ

बेशक यही बात अगले सहीफ़ों

19

صُحُفِ إِبْرَاهِيمَ وَمُوسَىٰ

इबराहीम और मूसा के सहीफ़ों में भी है